एक नजर में

सस्ता थाईलैंड ट्रिप पैकेज देखकर 43 हजार गंवाए

इंदौर. एरोड्रम क्षेत्र में रहने वाली एक युवती को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर थाईलैंड ट्रिप का लुभावना विज्ञापन देखकर बुकिंग कराना महंगा पड़ गया. साइबर ठगों ने इंडिगो एयरलाइंस के साथ कोलैबोरेशन और कम किराए में फुकेट घुमाने का झांसा देकर युवती से 43 हजार से अधिक की रकम ऐंठ ली. 6 जुलाई को जब युवती इंदौर एयरपोर्ट पहुँची, तब टिकट इनवैलिड होने का पता चला. पीड़िता की शिकायत पर एरोड्रम पुलिस ने अज्ञात ठगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. पुलिस के अनुसार, पूर्वा सिंह नामक युवती ने इंस्टाग्राम पर 'द टूरिंग साइट्स' नाम के पेज पर थाईलैंड ट्रिप का विज्ञापन देखा था.

प्रताड़ना से तंग युवती ने छत से कूदकर दी थी जान

इंदौर. एमआईजी थाना क्षेत्र स्थित आंबेडकर नगर में गत दिनों युवती की संदिग्ध मौत की गुत्थी को पुलिस ने सुलझा लिया है. इंदौर में रहकर नौकरी करने वाली युवती की मौत किसी हादसे में नहीं हुई थी, बल्कि प्रेमी की प्रताड़ना और मानसिक उत्पीड़न से तंग आकर उसने इमारत की छत से छलांग लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त की थी. वारदात के बाद आरोपी प्रेमी ने कानूनी पचड़े से बचने के लिए इसे सड़क हादसे का रूप देने की कोशिश की और परिजनों से लेकर अस्पताल के डॉक्टरों तक को गुमराह करता रहा. पुलिस के अनुसार, मृतका का नाम निवासी निकिता पिता विश्वनाथ है.

अवैध नशीली कफ सीरप के साथ आरोपी गिरिफ्तार

रीवा. पुलिस महानिरीक्षक रीवा जोन गौरव राजपूत के निर्देश पर चलाये जा रहे ऑपरेशन प्रहार 2.0 के तहत पुलिस अधीक्षक रीवा गुरकरन सिंह के निर्देशन में अनुविभागीय अधिकारी मनगवां प्रतिभा शर्मा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी मनगवां पुष्पेन्द्र मिश्रा ने स्टाफ की मदद से बीती रात्रि गस्त को दौरान इटार गुढ रोड पर एक सफेद रंग की कार को घेरा बन्दी कर रोका. जिस पर वाहन चालक ने अपना नाम रावेन्द्र सिहं पटेल उर्फ पप्पू उम्र 40 वर्ष निवासी खदान गेट तलैया के पास बाणसागर कालोनी रीवा का होना बताया. कार की तलाश के दौराने डिग्गी व सीट पर भारी मात्रा में अवैध नशीली कफ सीरप पाई गई.

रोपाई के दौरान ट्रैक्टर पटला, चालक की मौत

सिंगरौली. सरई थाना के समीपी नौढ़िया गांव में आज शनिवार की शाम के वक्त धान खेत की जोताई एवं रोपाई करते समय एक ट्रैक्टर इंजन कल्टीवेटर के साथ पलट गया, जिसके चपेट में आने से चालक की मौत हो गई. घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई. मौके पर पुलिस एवं ग्रामीण जन पहुंच बचाव कार्य में जुट गए, लेकिन तब तक में युवक की मौत हो चुकी थी. ग्राम नौढ़िया निवासी संदीप सिंह पिता रामजी सिंह उम्र 20 वर्ष आज नौढ़िया गांव में धान खेत में जोताई एवं रोपाई का कार्य कर रहा था, कि अचानक ट्रैक्टर का चक्का कल्टीवेटर के साथ दल-दल खेत में धस गया और ट्रैक्टर चारोंखाने चित्त हो गया.

साइबर ठगी : खाते से 49,866 रुपये साफ

मोबाइल गेम खेलना भारी पड़ा, 10 बार में निकाली रकम

1 एक क्लिक के बाद शुरू हुआ ऑनलाइन लेनदेन का सिलसिला

नवभारत न्यूज

भोपाल, 8 अगस्त. मोबाइल गेम खेलना एक परिवार को उस समय भारी पड़ गया, जब गेम के दौरान मोबाइल पर आई एपीके फाइल पर क्लिक करने के बाद बैंक खाते से रकम कटना शुरू हो गई. देखते ही देखते साइबर ठगों ने करीब 49 हजार 866 रुपये खाते से निकाल लिए.

मोबाइल एक 11 वर्षीय बच्ची इस्तेमाल कर रही थी और ठगी का शिकार उसकी दादी का बैंक खाता हुआ. मामला अशोका गार्डन थाना क्षेत्र के विनायक होम्स का है. विनायक होम्स अशोका गार्डन निवासी 52 वर्षीय मंदा सरदार पति शरद सरदार गृहणी हैं. वह अपनी 11 वर्षीय नातिन अनायरा के साथ रहती हैं. 1 अगस्त की सुबह करीब 10.50 बजे बच्ची मोबाइल पर गेम खेल रही थी. इसी दौरान गेम खेलते समय मोबाइल पर एक एपीके फाइल आई. बच्ची ने फाइल पर क्लिक कर दिया. इसके बाद मोबाइल पर हुए घटनाक्रम की जानकारी परिवार को तत्काल नहीं हो सकी. मंदा अपने काम में व्यस्त थीं. बाद में जब उन्होंने मोबाइल देखा और बैंक खाते से रकम कटने की जानकारी मिली तो उनके होश उड़ गए. उनके भारतीय स्टेट बैंक के खाते से एक के बाद एक ऑनलाइन लेनदेन हुए. करीब 49,866 रुपये अलग-अलग लेनदेन के माध्यम से निकाल लिए गए. पुलिस जांच में सामने आया कि अधिकतर लेनदेन करीब पांच हजार रुपये के आसपास की रकम के थे. इस तरह रकम को कई छोटे हिस्सों में निकालने का तरीका अपनाया गया. बैंक खाते से निकली रकम एक अन्य बैंक खाते में पहुंची है. पुलिस ठगी में उपयोग किए गए बैंक खाते की जानकारी, ऑनलाइन लेनदेन की कड़ी, मोबाइल की तकनीकी जानकारी और संदिग्ध एपीके फाइल के स्रोत की जांच कर रही है.

मोबाइल इस्तेमाल को लेकर बढ़ी चिंता

क्राइम ब्रांच डीसीपी अखिल पटेल का कहना है कि इस घटना ने बच्चों के मोबाइल इस्तेमाल को लेकर भी सवाल खड़े कर दिए हैं. गेम के दौरान आने वाली संदिग्ध फाइल, लिंक या संदेश पर बिना जानकारी क्लिक करना परिवार के बैंक खाते के लिए खतरा बन सकता है. साइबर ठग कई बार गेम, इनाम, आवेदन, नौकरी या अन्य आकर्षक संदेशों के नाम पर संदिग्ध फाइल या लिंक भेजते हैं. एक बार मोबाइल में ऐसी फाइल इंस्टॉल होने के बाद निजी और वित्तीय जानकारी खतरे में पड़ सकती है.

मंत्रालय के गलियारे से

.....और अब तक समय नहीं मिला

कन्हैया लोधी

दतिया विधानसभा उपचुनाव में हार के बाद भाजपा में अब सफाई देने का दौर जारी है, इसके लिए कई नेता भोपाल से लेकर दिल्ली तक चक्कर लगा रहे हैं. ऐसे ही एक नेताजी ने हाईकमान के सामने सफाई पेश करने के लिए समय देने का अनुरोध किया. बेहद व्यस्त रहने वाले इस दिग्गज नेता से प्रदेश के नेताजी को समय नहीं मिला. बताया जा रहा है कि फिलहाल व्यस्तता का हवाला देकर प्रदेश के नेताजी से मिलने से किनारा कर लिया गया है. अब नेताजी परेशान है. देखना ये है कि अब उन्हें कामयाबी कब मिलती है.

सांसद की मुलाकात के मायने

प्रदेश के एक सांसद महोदय की पिछले दिनों दिल्ली में एक बड़ी मुलाकात ने राजनीतिक हलकों में कानाफूसी का दौर शुरू कर दिया है. सामान्य तौर पर वहां तक पहुंचना सभी के लिए आसान नहीं होता, लेकिन सांसद महोदय न सिर्फ पहुंचें, बल्कि पूरे सम्मान और इत्मीनान के साथ समय भी बिताया. अब उनकी इस मुलाकात के मायने निकाले जा रहे हैं. वैसे केंद्र में मंत्रिमंडल फेरबदल होने की स्थिति में उन्हें भी मंत्री पद का बड़ा दावेदार माना जा रहा है. अब देखना ये है कि ये मुलाकात कुछ रंग लाती है या नहीं.

हाशिये पर प्रदेश के संस्कृति मंत्री

प्रदेश की राजधानी में ब्रिक्स देशों के संस्कृति मंत्रियों का सम्मेलन हुआ, इसमें कई देशों के संस्कृति मंत्री पहुंचें. जिस दिन मुख्य कार्यक्रम हुआ, उस दिन प्रदेश के संस्कृति मंत्री पूरी तरह हाशिये पर रहे. वैसे तो ये सम्मेलन देश के संस्कृति मंत्रियों का था, लेकिन सौजन्यता के नाते प्रदेश के संस्कृति मंत्री शहर में रह सकते थे, लेकिन जब भाव नहीं मिला तो मंत्रीजी अपने गृह क्षेत्र में ही सक्रिय होने का उपक्रम करते रहे. वैसे भी विभाग की पूरी कमान एसीएस के हाथों में ही है. उनकी मर्जी के बगैर एक पत्ता भी नहीं हिलता.

जिसे पालकी पर विदा किया, अब लूपलाइन का खतरा

एक जिले की कमान संभालने के बाद जब तबादला हुआ तो एक अफसर को पालकी में विदा किया गया, ऐसा विदाई समारोह कि उसकी चर्चा पूरे प्रदेश में हुई. सरकार ने भी उनके कामकाज को देखते हुए उन्हें राजधानी जैसे क्षेत्र में बड़ी जिम्मेदारी दे दी, लेकिन अब उनके लूपलाइन में जाने का खतरा मंडराने लगा है. दरअसल उनके हाल के कामों से सरकार को लेने के देने पड़ गए हैं. बताया जा रहा है कि सरकार अब उन्हें मौजूदा जिम्मेदारी से मुक्त करने के मूड में है. अब यदि आने वाले दिनों में किसी छोटी ट्रांसफर सूची में इस अफसर का नाम जुड़ जाए तो आश्चर्य नहीं होगा.

सीएम यादव को मिला एनुअल इन्वेस्टमेंट मीटिंग का आमंत्रण

07 से 9 सितंबर तक होगा आयोजन

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 8 अगस्त. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से समत्व भवन, मुख्यमंत्री निवास में ग्लोबल फाउंडेशन दुबई के प्रेसिडेंट डॉ. दाऊद अल शेजावी ने भेंट की. डॉ. शेजावी ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को 7 से 9 सितंबर तक दुबई में होने वाली एनुअल इन्वेस्टमेंट मीटिंग कांग्रेस-2026 के 15वें संस्करण का आमंत्रण दिया.

इस कार्यक्रम में मुख्य फोकस सस्टेनेबल निवेश , डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, आर्थिक विविधिता, उभरते बाजार और अंतर्राष्ट्रीय साझेदारी पर रहेगा. आयोजन की थीम रीशेपिंग ग्लोबल प्रास्परेटी : अन्लाकिंग न्यू इन्वेस्टमेंट पाथवे टूवर्ड्स अ सस्टेनेबिल एण्ड इन्क्लूसिव फ्यूचर है. डॉ. शेजावी ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को जानकारी दी कि गत वर्ष हुई एनुअल इन्वेस्टमेंट मीटिंग में 180 से अधिक देशों के 15 हजार प्रतिनिधि शामिल हुए थे.

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से डॉ. शेजावी की भेंट के अवसर पर अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय नीरज मंडलोई और एमपी औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक चंद्रमौली शुक्ला उपस्थित थे.

एमपी में कम बारिश से बढ़ी चिंता

49 जिलों में सामान्य से कम पानी

भोपाल, 8 अगस्त. मध्यप्रदेश में मानसून की रफ्तार धीमी पड़ने से बारिश का आंकड़ा सामान्य से 20 प्रतिशत नीचे पहुंच गया है. प्रदेश के 49 जिलों में अब भी सामान्य से कम बारिश दर्ज की गई है, जबकि शनिवार को मौसम विभाग ने पन्ना, सतना और रीवा में तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है.

इन जिलों में अगले 24 घंटे के दौरान करीब 4 इंच तक बारिश होने का अनुमान जताया गया है. मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में अब तक औसतन 16.8 इंच बारिश दर्ज की गई है, जबकि इस अवधि तक करीब 21 इंच बारिश होनी चाहिए थी. यानी प्रदेश में अभी तक करीब 4.2 इंच बारिश कम हुई है. प्रदेश में मानसून की सामान्य औसत बारिश 37.3 इंच मानी जाती है.

बारिश की कमी का असर खासतौर पर पूर्वी मध्यप्रदेश के जिलों में देखने को मिल रहा है. जबलपुर, शहडोल, रीवा और सागर संभाग में सामान्य से करीब 23 प्रतिशत तक कम बारिश हुई है. इन संभागों के कई जिलों में बारिश की कमी 5 से 48 प्रतिशत तक दर्ज की गई है. पश्चिमी मध्यप्रदेश में भी स्थिति संतोषजनक नहीं है. भोपाल, इंदौर, उज्जैन, नर्मदापुरम और ग्वालियर-चंबल संभाग में औसतन 17 प्रतिशत कम बारिश हुई है. किसानों को खरीफ फसलों के लिए पर्याप्त पानी की चिंता सताने लगी है.

मुख्यमंत्री यादव ने महाकालेश्वर भगवान के दर्शन-पूजन किए

उज्जैन. मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने महाकालेश्वर मंदिर पहुंचकर भगवान श्री महाकालेश्वर के दर्शन एवं पूजन-अर्चन किया. श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से अध्यक्ष एवं कलेक्टर रौशन कुमार सिंह तथा प्रशासक प्रथम कौशिक द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का स्वागत एवं सम्मान किया गया.

प्रदेश युवा कांग्रेस मनाएगी 66वां स्थापना दिवस

विशेष संवाददाता

भोपाल, 8 अगस्त. भारतीय युवा कांग्रेस के 66वें स्थापना दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश युवा कांग्रेस द्वारा 9 अगस्त को प्रदेश के सभी जिलों, विधानसभा क्षेत्रों और ब्लॉक मुख्यालयों पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे.

युवा कांग्रेस अध्यक्ष यश लखन घनघोरिया ने स्थापना दिवस समारोह को लेकर पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को आवश्यक निर्देश जारी किए हैं. निर्धारित स्थानों पर संगठन के आधिकारिक ध्वज का ध्वजारोहण किया जाएगा. इसके बाद सामूहिक रूप से राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान का गायन होगा. कार्यकर्ता संगठन के सिद्धांतों को बनाए रखने तथा राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पित रहने की शपथ भी लेंगे. कार्यक्रम के समापन पर कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों के बीच मिठाई का वितरण किया जाएगा. स्थापना दिवस समारोह को पर्यावरण संरक्षण से भी जोड़ा गया है. प्रत्येक पदाधिकारी को कार्यक्रम के बाद कम से कम पांच पौधे लगाने तथा उनके बड़े होने तक संरक्षण और देखभाल की जिम्मेदारी लेने के निर्देश दिए गए हैं.

अवैध निर्माण के खिलाफ आज नागरिक निकालेंगे मशाल मार्च

विशेष संवाददाता

भोपाल. शहर में तेजी से बढ़ते अवैध निर्माण, अतिक्रमण और आवासीय क्षेत्रों में अनधिकृत भू-उपयोग के खिलाफ भोपाल के नागरिक रविवार को मशाल मार्च निकालेंगे.

कांग्रेस प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी ने जारी बयान में बताया कि आवासीय कॉलोनियों में तेजी से बढ़ती व्यावसायिक गतिविधियों और अवैध निर्माण के कारण यातायात का दबाव बढ़ रहा है. कई क्षेत्रों में पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है. उन्होंने कहा कि अनियंत्रित व्यावसायीकरण और अवैध निर्माण से आवासीय क्षेत्रों की शांति, सुरक्षा और उनकी मूल पहचान प्रभावित हो रही है. मशाल मार्च को केवल विरोध प्रदर्शन नहीं, बल्कि शहर और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए नागरिक अभियान बताया गया है. नागरिकों से अपील की गई है कि वे अपने परिवार, पड़ोसियों और मित्रों के साथ इसमें शामिल हों.

35 साल की सेवा पूरी करने वालों को चौथा समयमान अब भी नहीं

विशेष संवाददाता

भोपाल, 8 अगस्त. मध्यप्रदेश सचिवालय के कर्मचारी 35 वर्ष की सेवा पूरी करने के बाद मिलने वाले चौथे समयमान वेतनमान के लाभ का अब भी इंतजार कर रहे हैं.

राज्य सरकार द्वारा पात्र कर्मचारियों एवं अधिकारियों को यह लाभ देने के आदेश जारी किए जाने के करीब तीन वर्ष बाद भी सचिवालय के कर्मचारियों को इसका लाभ नहीं मिल सका है. मंत्रालय सेवा अधिकारी-कर्मचारी संघ के अध्यक्ष इंजीनियर सुधीर नायक ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि विभिन्न विभागों के पात्र कर्मचारियों को चौथा समयमान वेतनमान दिया जा चुका है, लेकिन सचिवालय के साथ विधानसभा और राजभवन के कर्मचारी भी इससे वंचित हैं.

उन्होंने कहा कि कैरियर प्रोग्रेशन योजना में बने रहने का विकल्प चुनने वाले शिक्षक और पशु चिकित्सा विस्तार अधिकारियों जैसे संवर्गों को भी बाद में चौथे समयमान का लाभ दे दिया गया. विडम्बना यह है कि जिस सामान्य प्रशासन विभाग की मंजूरी इस लाभ के लिए आवश्यक है, उसके कर्मचारी भी इससे वंचित हैं.

पीएमश्री एयर एंबुलेंस सेवा की सीमित पहुंच पर सवाल

विशेष संवाददाता

भोपाल, 8 अगस्त . मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने पीएमश्री एयर एंबुलेंस सेवा के क्रियान्वयन पर सवाल उठाते हुए सरकार से योजना की वित्तीय और प्रशासनिक जानकारी सार्वजनिक करने की मांग की है.

उन्होंने आरोप लगाया कि मई 2024 में शुरू हुई इस सेवा पर करीब 35 करोड़ रुपये खर्च किए जाने के बावजूद प्रदेश के 30 जिलों के मरीजों को इसका लाभ नहीं मिल पाया है. पटवारी ने कहा कि योजना का उद्देश्य दुर्घटना पीड़ितों, गंभीर रूप से बीमार मरीजों और ऐसे जरूरतमंदों को एयर एंबुलेंस के माध्यम से उन्नत चिकित्सा संस्थानों तक तत्काल पहुंचाना था. इसके बावजूद बड़ी संख्या में जिलों के लोग इस सुविधा से वंचित हैं. उन्होंने सवाल उठाया कि जब सरकार निर्धारित परिचालन अवधि के लिए भुगतान कर रही है, तो सेवा का वास्तविक उपयोग इतना सीमित क्यों है.

एक पेड़ मां के नाम : केंद्रीय मंत्री नें पौधरोपण

इंदौर को हरा-भरा बनाने का लिया संकल्प

नवभारत न्यूज़

इंदौर, 8 अगस्त . 'एक ही संकल्प, एक ही नारा- हरा-भरा हो इंदौर' के संदेश के साथ लोकमाता अहिल्या देवी की नगरी इंदौर के रेवती रेंज में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया.

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, भाजपा कार्यकर्ताओं और प्रकृति प्रेमियों ने सहभागिता की. कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल विशेष रूप से उपस्थित रहे. इस दौरान मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, मंत्री तुलसीराम सिलावट, भाजपा ग्रामीण जिला अध्यक्ष श्रवण सिंह चावड़ा, एमआईसी सदस्य राजेंद्र राठौर सहित अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे.

पौधरोपण कार्यक्रम के दौरान सभी ने पर्यावरण संरक्षण और शहर में हरियाली बढ़ाने का संकल्प लिया. उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने कहा कि पौधे केवल प्रकृति को सुंदर बनाने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि स्वच्छ हवा, जल संरक्षण और आने वाली पीढ़ियों के बेहतर भविष्य का आधार हैं. वक्ताओं ने कहा कि बढ़ते पर्यावरण संकट को देखते हुए प्रत्येक व्यक्ति को पौधरोपण के साथ उनके संरक्षण की जिम्मेदारी भी निभानी चाहिए.

पेज एक का शेष

जनता को न्याय से उम्मीद

समदर्शी हो और सबसे जरूरी यह कि न्याय मानवीय संवेदनाओं से भरा हो.

कॉन्फ्रेंस में ये थे उपस्थित: कॉन्फ्रेंस को सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति मनमोहन,केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्यमंत्री अर्जुन राम मेघवाल, मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री विवेक रुसिया, मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति आनंद पाठक ने भी संबोधित किया. कॉन्फ्रेंस में सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा, न्यायाधीश न्यायमूर्ति विजय विश्नोई, न्यायाधीश न्यायमूर्ति आलोक आराधे, न्यायाधीश न्यायमूर्ति शील नागु, न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा, उच्च न्यायालय गुजरात की मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्रीमती सुनीता अग्रवाल, मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल सहित विभिन्न उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशगण, विधिक सेवा प्राधिकरणों के वरिष्ठ पदाधिकारी, न्यायिक अधिकारी, महापौर पुष्यमित्र भार्गव सहित अनेक प्रतिष्ठित नागरिक और बड़ी संख्या में पैरा लीगल वॉलेंटियर्स उपस्थित थे.

कल भी चलेगी कॉन्फ्रेंस : इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में 8 और 9 अगस्त को वेस्ट जोन रीजनल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया जा रहा है. राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली, मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर और मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के संयुक्त तत्वावधान में यह 2 दिवसीय पश्चिम क्षेत्रीय सम्मेलन आयोजित हो रहा है. इस महत्वपूर्ण सम्मेलन में भारत के मुख्य न्यायाधीश समेत सुप्रीम कोर्ट और विभिन्न उच्च न्यायालयों के न्यायाधीश, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री, केंद्र सरकार के कानून एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), विधिक सेवा प्राधिकरणों के वरिष्ठ पदाधिकारी, न्यायिक अधिकारी और कई अन्य प्रतिष्ठित नागरिक हिस्सा ले रहे हैं.

अनदेखी | आंदोलन की राह पकड़ सकते हैं मंत्रालय, विधानसभा और राजभवन के कर्मचारी

कर्मचारियों को नहीं मिला चौथा समयमान वेतनमान

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 8 अगस्त. वर्ष 2023 में प्रदेश के ऐसे सभी कर्मचारियों/अधिकारियों जो 35 वर्ष की सेवा पूर्ण कर चुके हैं या आगे करेंगे,को चौथा समयमान वेतनमान स्वीकृत किए जाने के आदेश जारी किए गए थे.

उक्त आदेश के पालन में समस्त विभागों के समस्त पात्र अधिकारियों/ कर्मचारियों को तीन वर्ष पूर्व ही चौथा समयमान वेतनमान स्वीकृत हो चुका है, लेकिन दिया तले अंधेरे की कहावत को चरितार्थ करते हुए जिस मंत्रालय से आदेश निकला उसी मंत्रालय के कर्मचारियों को आज तीन वर्ष बाद भी चौथे समयमान वेतनमान का लाभ नहीं दिया गया है. विधानसभा और राजभवन के कर्मचारियों को भी यह लाभ नहीं मिला है. ऐसे में अब कर्मचारी मांगों के लिए आंदोलन की राह पकड़ सकते हैं.

जानकारी के मुताबिक शिक्षक संवर्ग और पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी संवर्ग समयमान वेतनमान योजना में नहीं आते थे. इन संवर्गों ने क्रमोन्नति योजना में ही बने रहने का विकल्प चुना था लेकिन इन संवर्गों को भी चौथे समयमान वेतनमान का लाभ दे दिया गया, जिस सामान्य प्रशासन विभाग के अनुमोदन से सभी विभागों को चौथा समयमान मिल रहा है, खुद उसी सामान्य प्रशासन विभाग के कर्मचारी चौथे समयमान वेतनमान से वंचित हैं. मंत्रालयीन कर्मचारियों को न तो चौथा समयमान वेतनमान दिया जा रहा है और न ही लिखित रुप में देने से मना किया जा रहा है. दरअसल ब्रह्मस्वरूप समिति और अग्रवाल आयोग की अनुशंसाओं के आधार पर मंत्रालय सेवा के दो संवर्गों सहायक अनुभाग अधिकारी और अनुभाग अधिकारी को प्रदेश से पृथक वेतनमान स्वीकृत किए गए थे और वैसे भी ये संवर्ग केवल मंत्रालय सेवा में ही होते हैं. इसी को आधार बनाकर मंत्रालय के चौथे समयमान वेतनमान में अनावश्यक रोड़ा अटकाया जा रहा है. प्रकरण कैबिनेट के अनुमोदन हेतु भेजा जाना है जो कि तीन साल से नहीं भेजा गया, जबकि चौथा समयमान वेतनमान 35 वर्ष की सेवा पूर्ण करने वालों को ही मिलना है, ऐसे कर्मचारियों की संख्या बहुत कम है. इसलिए नगण्य व्ययभार आना है. मंत्रालय सेवा अधिकारी, कर्मचारी संघ के अध्यक्ष इंजी.

10 वर्ष तक पदोन्नतियां बंद रहीं

सुधीर नायक के मुताबिक कतिपय अधिकारियों की हठधर्मिता के कारण यह निर्णय रुका हुआ है. 10 वर्ष तक पदोन्नतियां बंद रहीं और अब चौथा समयमान न मिलने से मंत्रालयीन कर्मचारियों पर दोहरी मार पड़ रही है. उन्होंने कहा कि मंत्रालय सेवा अधिकारी कर्मचारी संघ इस संबंध में अनेक बार ज्ञापन दे चुका है और वार्ताएं कर चुका है. अब मंत्रालय में आंदोलन की स्थिति निर्मित हो रही है.